स्टेम कोशिका और चर्च

वेटिकन ने अचानक वह सम्मेलन निरस्त कर दिया है जहां स्टेम कोशिका सम्बंधी अनुसंधान पर चर्चा होनी थी। ज़िम्मेदारीपूर्ण स्टेम कोशिका अनुसंधान पर यह तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अप्रैल के अंतिम सप्ताह में होने जा रहा था।

गौरतलब है कि स्टेम कोशिका सम्बंधी अनुसंधान शुरू से ही विवादों के घेरे में रहा है क्योंकि कई लोगों को लगता है कि यह अनुसंधान अनैतिक है। स्टेम कोशिकाएं वे कोशिकाएं होती हैं जिन्होंने अपनी बहु-सक्षमता अभी खोई नहीं हैं और वे तमाम किस्म की कोशिकाओं में तबदील की जा सकती हैं। खास तौर से आपत्ति भ्रूणीय स्टेम कोशिका अनुसंधान को लेकर रही हैं क्योंकि ये कोशिकाएं भ्रूण से प्राप्त होती हैं और डर है कि इन्हें प्राप्त करने के लिए मानव भ्रूणों का उपयोग किया जाएगा और बाद में उन्हें नष्ट कर दिया जाएगा। कई लोग इसे भ्रूण हत्या मानते हैं।

वैसे उक्त सम्मेलन, जिसका आयोजन चर्च की पोंटिफिकल एकेडमी फॉर लाइफ द्वारा किया जा रहा था, में सम्भावना थी कि स्टेम कोशिका अनुसंधान के विभिन्न तकनीकी व नैतिकता सम्बंधी पहलुओं पर विचार-विमर्श होगा और समझदारी आगे बढ़ेगी। मगर सम्मेलन के बारे में कई वैज्ञानिकों को शुरू से लगता रहा था कि इसमें खास कुछ होने वाला नहीं है। इन लोगों की शंकाओं का एक कारण यह था कि सम्मेलन के निमंत्रण में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि वहां भ्रूणीय स्टेम कोशिकाओं पर चर्चा नहीं की जाएगी।

इसके बावजूद कई वैज्ञानिकों को लग रहा था कि इन मुद्दों पर बहस को टालने की बजाय संवाद में जुड़ना ज़्यादा लाभप्रद होगा, चाहे भ्रूणीय कोशिकाओं पर बातचीत न हो पाए। वैसे कई वैज्ञानिक मानकर चल रहे थे कि उन्हें स्टेम कोशिका अनुसंधान को लेकर कई भ्रांतियां दूर करने का एक अवसर इस सम्मेलन में मिलेगा और वे इसका भरपूर लाभ उठाना चाहते थे। सम्मेलन के निरस्त होने से वे निराश हैं।

वैसे इसे एक अच्छी परंपरा माना जाना चाहिए कि चर्च से जुड़े समूह आधुनिक जीव विज्ञान को लेकर अपनी चिंताएं किसी साझा मंच पर व्यक्त करें और वैज्ञानिकों को भी अपनी बात कहने का मौका मिले। आखिर विज्ञान को इन सबकी उपस्थिति में ही तो आगे बढ़ना है। ***(स्रोत फीचर्स)***